कि जो हेरोइन जमा हुई है उसका क्या करेंगे उसको डिस्ट्रवाय करेंगे या नहीं ? अगर उसको जमा करते रहेंगे तो वह जमा होती चली जायेगा ।

...(व्यवधान)...

SHRI AJIT PANJA: It is well known that all the drugs, which are seized, except some portions of opium, which is used for medicinal purposes, are entirely destroyed.

*210. [*The questioner (Shri Jagadish Jani) was absent. For answer* vide col. 38 infra].

*211. [*The questioners (Dr. Ratnakar Pandey and Shrimati Ratan Kumari) were absent. For answer* vide col. 39 infra].

Permission for the issue of debentures and Bonds by the Gujarat Narmada Sardar Sarovar development Corporations

*213. SHRI RAOOF VALIULLAH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government propose to accord approval for the issue of debentures and bonds by the Gujarat Narmada Sardar Sarovar Development Coporation; if so, by when a decision is likely to be taken in the matter;

(b) what will be the total amount to be invested; the terms and conditions of the issue; the rate of return and whether NRIs would be able to subscribe towards such bonds and if so, to what extent; and

(c) whether such issues by State Corporations have been cleared earlier also and if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) No, Sir.

(b) and (c) Do not arise.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत जलमल परियोजनाओं का बनाया जाना

*203. **श्री राम नरेश यादव :**
श्री राम जेठमलानी :

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गंगा नदी की आदिकालीन पवित्रता को फिर से बहाल करने के विचार से गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत देश के कतिपय शहरों में नई जल-मल परियोजनाएं बनाने का निश्चय किया गया था ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि उन शहरों में इन परियोजनाओं के लिये निर्माण-कार्य भी आरम्भ कर दिये गये है;

(ग) यदि हां, तो प्रत्येक शहर से सम्बंधित इन परियोजनाओं को, परियोजनावार, कब तक पूरा कर लिये जाने का लक्ष्य रखा गया था ;

(घ) क्या यह भी सच है कि इन परियोजनाओं से सम्बंधित निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के भीतर पूरे नहीं किये जा सकेंगे;

(ङ) क्या इन परियोजनाओं के पूरा होने में हुए विलम्ब से उक्त परियोजनाओं के निर्माण में होने वाले व्यय के बढ़ जाने की संभावना है; और

(च) यदि हां, तो इनके निर्माण की लागत में कितनी वृद्धि हो जाने की संभावना है ?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत

गंगा नदी के पानी के प्रदूषण को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल इन तीन राज्यों के लिए 258.44 करोड़ रुपये की लागत पर 262 स्कीमें मंजूर की गई हैं।

(ख) सभी अभिनिर्धारित नगरों में निर्माण-कार्य प्रारंभ हो चुका है। 50 स्कीमें पूरी हो चुकी हैं।

(ग) और (घ) परियोजनाओं के नगरवार पूरा होने की अलग-अलग तिथि निर्धारित नहीं की गई है। परंतु, संस्वीकृत 262 में से अधिकांश स्कीमों के पूरे होने की प्रत्याशित तिथि सातवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि का अंत है और आशा है कि इस समय-सीमा तक काम पूरा हो जाएगा। शेष स्कीमों का कार्य आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारंभिक वर्षों में पूरा हो जाएगा।

(ङ) और (च) लिंक के कारण लागत में होने वाली वृद्धि, यदि कोई है, का इस समय निर्धारण करना संभव नहीं है।

Crimes in running Trains

*205. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) how many dacoities, murders and thefts were committed in running trains during the last three years in various Railway Zones, yearwise and Zonewise;

(b) how many of these crimes have been successfully solved; and

(c) what steps are being taken to check such crimes?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI BUTA SINGH): (a) and (b) Cases of crime on Railways are reported to, registered and investigated by the State Government agencies, including Government Railway Police, which functions under the control of State Governments.

The number of cases registered under dacoities, murders, thefts and also the number of cases solved out of such registered crimes are not compiled by the Central agencies.

(c) Government Railway Police provides escorts on fast/super fast, Mail/Express trains according to the local conditions and requirements. Railway Protection Force also assists the Government Railway Police in this task as and when necessary.

लघु क्षेत्र द्वारा निर्यात

*207. सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:
श्री राम जेठमलानी:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष अधिकांश निर्यात-कारबार लघु क्षेत्र द्वारा किया गया था;

(ख) 1987-88 में और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दिसम्बर तक कुल कितने मूल्य का निर्यात किया गया;

(ग) निर्यात से अर्जित राशि में लघु औद्योगिक क्षेत्र का कितना अंश है;

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त अवधि के दौरान लघु क्षेत्र की अपेक्षा बड़े उद्योगों ने देश में अधिक आयात किया है, और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह): (क) से (ग) वर्ष 1987-88 के लिए लघु उद्योगों द्वारा किए गए निर्यात के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। फिर भी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय से प्राप्त अनुमानित आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1986-87 के दौरान लघु उद्योग क्षेत्र से 3648 करोड़ रु. मूल्य के निर्यात हुए थे जो कि उस वर्ष हुए कुल निर्यात का 29% बैठता है। संशोधित अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार